Shortage of diesel in Madhya Pradesh

1648. SHRI SURENDRA SINGH THAKUR: Will the Minister of PETROLEUM ANR NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of shortage of diesel with petrol pumps in Madhya Pradesh due to failure of rains in many parts of the State; and

(b) if so, what steps have been taken by Government to supply diesel to farmers and other consumers in time?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) and (b) No report about shortage of diesel with petrol pumps in Madhya Pradesh has been received recently.

There is no system of making allocation of diesel to States and Union Territories. The product is available on free sale basis to all consumers, and the oil companies have sending instruction to meet its demand in full as far as possible.

The sale of diesel (HSD) in Madhya Pradesh during the period from January to June, 1987 was 361.939 tonnes which is 11.7 per cent more than the sale of 3,24,155 tonnes made during corresponding period of 1986.

Oil Exploration

1649. SHRI K. VASUDEVA PANICKER: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased state:

(a) wheher Government propose to award oil exploration contracts to multinational companies; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) and (b) The Government of India invited bids for exploration and exploitation of hydrocarbons in 27 offshore blocks in 1986 in order to:

(i) Supplement the exploration efforts of the national oil companies, namely, ONGC|OIL.

(ii) Attract foreign risk capital.

(iii) Seek application of the latest technology available with these companies.

The discussion with foreign oil companies in relation to their bids are in progress.

उत्तर प्रदेश में एल०पी०जी० कनेक्शनों की आवश्यकता

1650. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में एल० पी० जी० कनेक्शनों की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए सर्वेक्षण किया गया है ; और यदि हां, तो जिलेवार उनकी मांग कितनी-कितनी है ; और

(ख) इन गैस कनेक्शनों की मांग को देखते हुए उसे पूरा करने के लिये क्या कारगर कदम उठाये जा रहे हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में एल०पी०जी० की मांग का अनुमान लगाने के लिए तेल उद्योग की ओर से नेशनल काऊंसिल आफ एप्लाइड इकनामिक रिसर्च ने एक सर्वेक्षण किया। यह अनुमान राज्यवार लगाया गया था न कि जिलावार। इस सर्वेक्षण के आधार पर वर्ष 1987–88 के दौरान उत्तर प्रदेश में एल०पी०जी० की घरेलू मांग 2,49,000 मीट्रिक टन होने का अनुमान लगाया गया है।

(ख) वर्तमान और प्रत्याशित एल० पी० जी० की उपलब्धता और बाटलिंग क्षमता आदि जैसी अपेक्षित सुविधाओं को ध्यान में रखकर तेल उद्योग द्वारा 20,000 और उससे अधिक की आबादी वाले ऐसे शहरों को चरणबद्ध रूप में हाथ में लिया जाता है जहां आर्थिक रूप से व्यवहार्य एल०पी०जी० वितरणशिप के लिए पर्याप्त तत्व मौजूद होते हैं।